Title : Regarding repair and maintenance of national highways in the country.

चौधरी लाल सिंह (उधमपुर): सभापति महोदय, मैं आपकी इजाजत से नेशनल एन.एच.-वन के बारे में कहना चाहूंगा। आप देख लें कि हमारे देश में जिस तरीके से काम चल रहा है, जो कंस्ट्रक्शन एजेंसीस हैं, उनकी तरफ से कई कोताहियां हो रही हैं, जिससे बहुत एक्सीडेंट्स हो रहे हैं। इन एक्सीडेंट्स में बहुत से लोग मर गए हैं। मैं अपने ही स्टेट की बात कहना चाहता हूं, मेरे अपने इस पांच साल के टेन्योर में जो सड़क का काम लगा हुआ है, उसकी काम करने की स्पीड बहुत धीमी है। वहां कम से कम एक हजार आदमी 90 किलोमीटर के एरिया में मर चुका है।

सभापति महोदय, मेरा जनाब से सबमिशन है कि कंस्ट्रक्शन का जो डिगिंग मेटिरियल है, वह बोथ साइड रखा हुआ है। वहां कोई भी सिस्टम नहीं है कि एक साइड पर लगाया जाए, एक ही साइड रखी जाए। बीच में जो पुरानी सड़क है, उसकी रिपेयर नहीं हो रही। मेरी आपसे विनती है कि इसकी तरफ खास ध्यान दिया जाए। इतने लोग टेरोरिज़्म, मिलिटेंसी में भी नहीं मरे, जितने लोग एक्सीडेंट में मर रहे हैं।

सभापति महोदय, मेरी आपके माध्यम से सरकार से विनती है कि आप इसे सीरियसली लीजिए और इस मसले को हल कीजिए।